

---

# Skanda Dandakam

स्कन्ददण्डकम्

## Document Information

---

Text title : Skanda Dandakam

File name : skandadaNDakam.itx

Category : subrahmanya

Location : doc\_subrahmanya

Transliterated by : Sivakumar Thyagarajan shivakumar24 at gmail

Proofread by : Sivakumar Thyagarajan, PSA Easwaran

Latest update : March 14, 2020

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

March 14, 2020

*sanskritdocuments.org*

---

## Skanda Dandakam

स्कन्दएउकम्



ॐ श्रीगणेशाय नमः ।

(हरिगीतपुरेश्रीसुभ्रजमण्यस्तुतिः - हरिष्पाद् क्षेत्रं - डेरणेषु)

अयि! जय जयाम्भोजिनीजानिडिम्भोदयोद्यत्-  
कुसुम्भोल्लसत्कुल्लदम्भोपमर्दप्रवीणप्रभाधोरणीपूरिता-  
शावकाश! वरानन्दसान्द्रप्रकाश! ॥

सडैवोत्तरङ्गीभवत्सौडृदावेशमीशानपञ्चाननीपार्वतीवङ्ग-  
सञ्चुम्ब्यमानाननाम्भोजषट्क! द्विषत्कायरक्तौघरजयत्पृषत् ! ॥

स्वकीयप्रभुद्वादशात्मद्रढीयस्तमप्रेमधामायितद्वादशा-  
म्भोजवृन्दिष्ठभंछिष्ठसौन्दर्यधुर्येक्षणा ! साधुसंरक्षणा ! ॥

निजयरणवन्दनासक्तसदृन्दभूयस्तरानन्ददायिस्फुर-  
न्मन्दलासधुतिस्थन्दूरैःकृतामन्दकुन्दप्रसूनप्रभा-  
कन्दणीसुन्दरत्वाभिमान ! समस्तामरस्तोमसंस्तूयमान ! ॥

जगत्याडितात्याडितादित्यपत्याडितप्रौढवक्षःस्थलोद्गच्छ-  
दास्रच्छटामधूमणश्यायशक्तिस्फुरत्याणिपाथोरुड !  
भक्तमन्दारपृथ्वीरुड ॥

विडितपरिरम्भवल्लीवपुर्वल्लरीमेणनोल्वासितोरस्तटश्री-  
निरस्ताचिरजयोतिराश्विष्टसन्ध्याम्भुदानोपमाडम्बर !  
तमजाम्भूनदभ्राजमानाम्बर ! ॥

पिञ्छभारप्रभामाण्डलीपिण्डिताम्भण्डलेष्वासनाम्भण्ड-  
रोचिश्शिभण्डिप्रकाण्डोपरेद्योतमान !  
पदश्रीद्वतश्रीगृध्रातमान ! ॥

प्रथितहरिगीतालयालङ्कृते ! कार्तिकेय ! आर्तबन्धो !  
ध्यापूरसिन्धो ! नमस्ते समस्तेश ! मां पाडि पाडि प्रसीद प्रसीद ॥

कारुण्याम्बुनिधे! समस्तसुमनस्सन्तापदानोधत-  
स्त्रायर्षभरासुरप्रभुसमूलोन्मूलनैकायन !  
बिभ्राणः क्षितिभृद्विभेदनयाणं शक्तिं त्वमात्रेय ! मां  
पाडि श्रीडरिगीतपत्तनपते ! देडि श्रियं मे जवात् ॥  
एति स्कन्दएडकं सम्पूर्णम् ।

Entered by Sivakumar Thyagarajan

Proofread by Sivakumar Thyagarajan, PSA Easwaran

---



*Skanda Dandakam*

pdf was typeset on March 14, 2020



Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

